11. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

12. "कबीर संत कवि ही नहीं, समाज-सुधारक भी थे।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) रूपक

(ब) वीर रस

(स) छप्पय छंद

(द) शब्द-शक्ति

HD–01

December – Examination 2023

B.A. (Part–I) Examination

हिन्दी साहित्य

[हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)]

Paper : HD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल को किस नाम से सम्बोधित किया था ?

(ii) कबीर के वाणी संग्रह 'बीजक' के कितने भाग हैं ?

(iii) जायसी की अक्षय कीर्ति का आधार ग्रंथ कौनसा है ?

(iv) 'अँसुवन जल सींचि-सींचि' पंक्ति किस भक्त कवयित्री की है ?

(v) 'रीति' का सामान्य अर्थ क्या है ?

(vi) 'खुमाण रासो' के रचयिता का नाम बताइए।

(vii) 'रामचरितमानस' का काव्य रूप क्या है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"मान सहित विष खाय के, संभु भए जगदीस।
बिना मान अमृत पिया, राहु कटायो सीस॥
जलहिं मिलाइ रहीम ज्यों; कियों आपु सग छीर।
अगवहिं आपुहि आप त्यों, सकल आँच की भीर॥"

3. प्रस्तुत पद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुंदर मंदिर माहीं।
गावति गीत सबै मिलि सुन्दरि, वेद जुवा जुरि बिप्र पढ़ाहीं॥
राम को रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाहीं।
बातें सबैं सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारति नाहीं॥"

4. केशवदास के काव्य में कला पक्ष की विशेषताओं को संक्षेप में बताइए।

5. "रसखान वास्तव में रस की खान थे।" कथन की पुष्टि कीजिए।

6. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

7. बिहारी की बहुश्रुतता पर एक लेख लिखिए।

8. रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

9. "मीरांबाई विरह की कवयित्री हैं।" कथन की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. "घनानंद के काव्य में प्रेम की पीड़ा की घनीभूत अभिव्यंजना हुई है।" सोदाहरण सिद्ध कीजिए।